हर जन्म में एक्टर बनना चाहता हूं

दर्शकों के मन को लुभाने वाली रियल कॉमेडी- अनुपम खेर

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

कई कॉमेडी शो और फिल्में आ रही हैं। इन्हें दर्शक देखते हैं और भूल जाते हैं, लेकिन कॉमेडी रियल मायनों में वही होती है, जो दर्शकों के मन को खुश कर सके। मैंने कई कॉमेडी रोल किए हैं। कई प्रोग्राम्स में भी कई बातें ऐसी हो जाती हैं, जो नहीं चाहते हुए फिर कॉमिक होती हैं, वही रियल कॉमेडी है।

ये बात एक्टर अनुपम खेर ने कार्निवॉल सिनेमा में बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। 7 नवंबर को रिलीज होने वाली 'द शौकीन्स' मूवी के प्रमोशन के लिए फिल्म के अन्य कलाकार पीयूष मिश्रा, अन्नू कपूर, एक्ट्रेस लीसा हेडन और फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक शर्मा के साथ शहर में थे। इस दौरान सभी कलाकारों ने फिल्म और अपनी लाइफ से रिलेटेड कई बातें शेअर की।

लकी इनसान हूं मैं

खेर ने कहा इस प्रोफेशन में आने के बाद शायद ही ऐसा रोल होगा, जो मैंने नहीं किया। हर किरदार में अलग-अलग भावनाओं को जीया है। एक्टिंग ही ऐसा प्रोफेशन है, जिसमें हमें इतने एक्सपीरियंस हो सकते हैं, जबकि इनसान अपनी पूरी लाइफ एक ही किरदार में जीता है। एक्टर कई लोगों की लाइफ जीता है। मैं अपने आपको लकी मानता हूं कि ये मौका अभिनय द्वारा मुझे मिला। हर जन्म में एक्टर ही बनना चाहता हूं।

दर्शक जिसे देखकर हंसें, वही कॉमेडी

अनुपम का कहना था हम कई तरह के रोल प्ले करते हैं, पर बात जब कॉमेडी की हो तो थोड़ी टफ होती है, क्योंकि अपने रोल से लोगों को हंसाना होता है। जीवन के हर मूवमेंट को खुशी के साथ जीना सबसे ज्यादा चैलेंजिंग एक्ट होता है। आपको पता नहीं होता कि आने वाला मूवमेंट कैसा होगा। उसे कॉमेडी बनाना पर्सन पर निर्भर करता है।

एक्टर ही बनना था

उन्होंने कहा मुझे एक्टर ही बनना था। ये ख्वाब पूरा करने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। पिता के सपोर्ट से इंडस्ट्री में इंट्री की। इस दौरान कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ा। आज मेरी एक्टिंग लोग देखते और सुनते हैं।

हर उम्र के दर्शकों के लिए

डायरेक्टर अभिषेक शर्मा ने बताया ये फिल्म वर्ष 1982 में आई शौकीन्स का रीमेक है। इसमें अन्य कलाकारों के साथ अक्षय कुमार ने कैमियो किया है। कॉमेडी वही, जो रियल हो और ये फिल्म दर्शकों को रियल कॉमेडी से गुदगुदाएगी।

काम में नो कॉम्प्रोमाइज

पीयूष मिश्रा ने बताया मुझे जो पसंद होता है, वही करता हूं। जब तक मैं किसी रोल से संतुष्ट नहीं होता, उसे नहीं करता, पर जो करता हूं, पूरे मन से करता हूं। मुझे फिल्मों की दौड़ में भागने से अच्छा लगता है कि कम काम करूं, लेकिन यादगार और अच्छा करूं।

जो भी करो, ईमानदारी से

अन्नू कपूर ने कहा आज काफी कुछ बदल गया है। टेक्नोलॉजी का यूज ज्यादा होने लगा है, पर इस इंडस्ट्री में धैर्य और ईमानदारी से काम करने वाला ही टिकता है। ये फिल्म मुझे बड़ी इंट्रेस्टिंग लगी, इसलिए कर ली।

साइबर सुरक्षा पर लघु फिल्म में अनुपम व अन्नू ने दिए संदेश

इंदौर। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर (पीआरटीएस) द्वारा ब्लैक रिबन इनिशिएटिव अभियान के तहत एक वर्ष से चलाई जा रही साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशालाओं के साथ विशेष सूचनात्मक लघु फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इसमें साइबर क्षेत्र, इंटरनेट व डिजिटल संसार में किस प्रकार सुरक्षित रहा जाए, से संबंधित जानकारी दी जाएगी। इस फिल्म को प्रदेश के प्रमुख सिनेमाघरों, स्थानीय चैनलों व इंटरनेट के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। फिल्म में अभिनेता अनुपम खेर व अन्न कपूर ने भी संदेश दिए हैं।

संस्थान के निदेशक वरुण कपूर ने बताया फिल्म में देश-प्रदेश की प्रमुख हस्तियों द्वारा दी गई महत्वपूर्ण सूचनाएं बाइट के रूप में रिकॉर्ड की जाएगी। इसे एक फिल्म के रूप में तैयार किया जाएगा, ताकि साइबर सुरक्षा की अधिकाधिक जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा सके। सिने अभिनेता अनुपम खेर व अन्नू कपूर को जब इससे अवगत कराया तो उन्होंने महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा संदेश रिकॉर्ड कराए। निदेशक कपूर ने उन्हें बताया कि मिशन में 66 कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें 11692 युवा, छात्रों एवं नागरिकों को बेहतर ढंग से सुरक्षित रहने के उपाय बताए गए।